International Journal of Advance and Applied Research
Peer Reviewed | International Open Access Journal
ISSN: 2347-7075 | Impact Factor – 8.141 | *Website:* https://ijaar.co.in/
Volume-13, Issue-6 | July – August 2026

Original Article

पटना जिला के माध्यमिक विद्यालय के दलित छात्र एवं छात्राओं का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति तथा निष्पति: एक अध्ययन

डॉ. बिभास कुमार सिन्हा[1], सत्य प्रकाश[2]

[1]शोध निदेषक, एसोसिएट प्रोफेसर (मनोविज्ञान विभाग), एस. एन. एस. कॉलेज, मुजफ्फरपुर

बी. आर. ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

[2]शोधार्थी

Manuscript ID:
IJAAR-130618
ISSN: 2347-7075
Impact Factor – 8.141

Volume - 13
Issue - 6
July – August 2026
Pp. 135 - 141

Submitted: 05 August 2026
Revised: 13 August 2026
Accepted: 25 August 2026
Published: 31 August 2026

Corresponding Author:
डॉ. बिभास कुमार सिन्हा

Quick Response Code:

Website: https://ijaar.co.in/

DOI: 10.5281/zenodo.22207003

DOI Link:
https://doi.org/10.5281/zenodo.22207003

Creative Commons

OPEN ACCESS

शोध सारांश :

प्रस्तुत शोध माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन है। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य समाज की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप बालक के व्यवहार को परिमार्जित करना है। सामाजिक अध्ययन छात्रों में स्वयं दृष्टिकोण विकसित कर समाज की प्रगति के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। व्यवहार के विभिन्न अवयवों में मनोवृत्तियाँ अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अतः प्रस्तुत अध्ययन समाज के मुख्य दृष्टिकोण पर दृष्टिपात करती है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य है माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का समाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति को जानना। इसके लिए विद्यार्थियों के माता की शिक्षा के आधार पर, पिता के पेशा के आधार पर, माता की पेशा के आधार पर तथा निवास स्थान के आधार पर सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति पर पड़े प्रभाव का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में आँकड़ों के संकलन हेतु अभिकरण के रूप में राजवीर सिंह (आगरा) के द्वारा प्रमाणीकृत मनोवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध के लिए यादृच्छिक विधि अपनाई गई है। इस अध्ययन के लिए मुजफ्फरपुर के माध्यमिक विद्यालय के 200 विद्यार्थियों का प्रतिदर्श के लिए चयन किया गया है। प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु माध्य मान, मानक विचलन, टी–अनुपात एवं अनोवा का प्रयोग किया गया है। शोधकर्त्ता ने अपने शोध प्रपत्र में अग्रलिखित निष्कर्ष प्राप्त किये:– लिंग के आधार पर, माता के शैक्षणिक योग्यता के आधार पर, पिता के शैक्षणिक योग्यता के आधार पर, माता के पेशा तथा निवास स्थान के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। शोधकर्त्ता ने प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर अग्रलिखित सुझाव दिये है :– सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति विद्यार्थियों की मनोवृत्ति को बढ़ाने के लिए उचित निर्देशन एवं अभिप्रेरणा प्रदान करना चाहिए। सामाजिक विज्ञान विषय को रूचिकर और आर्कषक बनाने के लिए शिक्षक को शिक्षण करते समय तरह–तरह के आर्कषण शिक्षण सहायक–सामग्री का प्रयोग किया जाना चाहिए।

Keywords : विद्यालय, माध्यमिक, विद्यार्थीयों, सामाजिक, मनोवृति

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International License (CC BY-NC-SA 4.0), *which permits others to remix, adapt, and build upon the work non-commercially, provided that appropriate credit is given and that any new creations are licensed under identical terms.*

How to cite this article:
डॉ. बिभास कुमार सिन्हा, सत्य प्रकाश. (2026). पटना जिला के माध्यमिक विद्यालय के दलित छात्र एवं छात्राओं का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृति तथा निष्पति: एक अध्ययन. *International Journal of Advance and Applied Research, 13(6), 135 – 141.*
https://doi.org/10.5281/zenodo.22207003

शिक्षा वह प्रकाश कुंज है। जो जटिल संसार में भी खुशी पूर्वक जीना सिखाती है। मनुष्य के अंधकारमय जीवन को प्रकाशमय बनाती है। संसार की भौतिकता से छुटकारा दिलाती है, और मनुष्य को पशु से भिन्न बनाती है। शिक्षा के माध्यम से ही मनुष्य पशु से भिन्न बनता है। शिक्षा के माध्यम से ही मनुष्य समाज की संस्कृति को ग्रहण करता है। शिक्षा एक द्विध्रुवीय प्रक्रिया है। क्योंकि इस प्रक्रिया में विद्यार्थी एवं शिक्षक के बीच अंत क्रिया होती है तथा शिक्षा का परस्पर आदान–प्रदान होता है। शिक्षक विद्यार्थी में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालकर उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते है तथा वास्तविकता से उन्हें परिचित कराते है।

शिक्षा जगत में माध्यमिक शिक्षा का विशिष्ट महत्व है क्योंकि बहुसंख्यक विद्यार्थियों के लिए यह अंतर स्तर होता है। वें ज्यों ही माध्यमिक शिक्षा पूरी करते हैं।

किसी न किसी कार्य में लग जाते है। सामाजिक अध्ययन छात्रों में स्वयं दृष्टिकोण विकसित कर समाज की प्रगति के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य समाज की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप बालक के व्यवहार को परिमार्जित करना है। व्यवहार के विभिन्न अवयवों में मनोवृत्ति को बढ़ावा देता है।

अध्ययन का उद्देश्य :

1. लिंग के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति को जानना।
2. माता की शिक्षा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति पर पड़े प्रभाव को जानना।
3. पिता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति पर पड़े प्रभाव को जानना।
4. माता की पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति पर पड़े प्रभाव को जानना।
5. निवास स्थान के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति पर पड़े प्रभाव को जानना।

नल परिकल्पनाएं :

1. लिंग के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान में मनोवृत्ति स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. माता की शैक्षणिक शिक्षा योग्यता के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान में मनोवृत्ति स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. पिता का पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान में मनोवृत्ति स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
4. माता की पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान में मनोवृत्ति स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अभिकरण का प्रयोग :

इस अध्ययन में आंकड़ों के संकलन हेतु अभिकरण के रूप में राजवीर सिंह (आगरा) के द्वारा प्रमाणीकृत मनोवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया है।

शोध विधि :

प्रस्तुत शोध के लिए यादृच्छिक विधि अपनाई गई है। इस अध्ययन के लिए मुजफ्फरपुर के माध्यमिक विद्यालय में 200 विद्यार्थियों का प्रतिदर्श के लिए चयन किया गया है। प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्य मान, मानक विचलन, टी–अनुपात एवं अनोवा का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की सीमाएं :

1. अध्ययन के लिए केवल मुजफ्फरपुर जिला के माध्यमिक विद्यालयों को लिया गया है।
2. यह अध्ययन सामाजिक विज्ञान तक सीमिति है।
3. प्रतिदर्श के रूप में 200 विद्यार्थियों को लिया गया है।
4. आंकड़ों का संग्रहण केवल नवमी कक्षा के विद्यार्थियों से ही किया गया है।

International Journal of Advance and Applied Research
Peer Reviewed | International Open Access Journal
ISSN: 2347-7075 | Impact Factor – 8.141 | Website: https://ijaar.co.in/
Volume-13, Issue-6 | July – August 2026

सारणी– 1

लिंग के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का टी मूल्य

लिंग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी मूल्य	अभियुक्ति
छात्र	61	197.58	4.20	0.70	सार्थक नहीं
छात्राएं	139	199.68	19.33		
(0.05 सार्थक स्तर के आधार पर टी मूल्य का मान 1.97 है।)					

तालिका संख्या – 1

लिंग के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का ग्राफीय प्रदर्शन

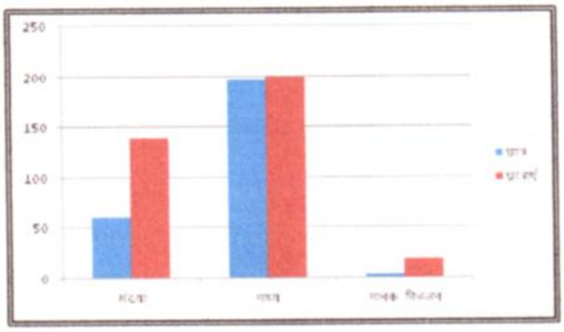

विश्लेषण :

उपर्युक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि शोधकर्त्ता द्वारा प्राप्त टी मूल्य का मान 0.70 है जो टी तालिका मान 1.97 से कम है। अतः नल परिकल्पना स्वीकृत की जाती है अर्थात् लिंग के आधार पर माध्यमिक विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यालय के विद्यार्थियों का समाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :

शोधकर्त्ता द्वारा किये गये शोध में लिंग के आधार पर माध्यमिक विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है। इसका कारण हो सकता है कि छात्र–छात्राएं दोनों सामाजिक विज्ञान के महत्व को समझते है और दोनों इसमें रूचि लेते है। इसलिए लिंग के आधार पर सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

सारणी– 2

माता की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का टी मूल्य

माता की शैक्षणिक योग्यता	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी मूल्य	अभियुक्ति
मैट्रिक या मैट्रिक से नीचे	172	198.36	19.41	1.45	सार्थक
मैट्रिक से उपर	28	17.59	17.59		
(0.05 सार्थक स्तर के आधार पर टी मूल्य का मान 1.45 है।)					

International Journal of Advance and Applied Research
Peer Reviewed | International Open Access Journal
ISSN: 2347-7075 | Impact Factor – 8.141 | Website: https://ijaar.co.in/
Volume-13, Issue-6 | July – August 2026

तालिका संख्या – 2

माता की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का ग्राफीय प्रदर्शन

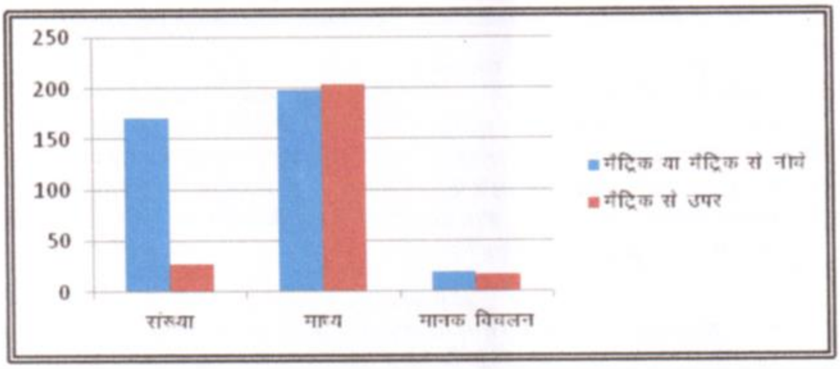

विश्लेषण :

उपर्युक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि शोधकर्त्ता द्वारा प्राप्त टी मूल्य का मान 1.45 है जो टी तालिका मान 1.97 से कम है। अतः नल परिकल्पना स्वीकृत की जाती है अर्थात् माता के शैक्षणिक योग्यता के आधार पर माध्यमिक विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यालय के विद्यार्थियों का समाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :

शोधकर्त्ता द्वारा किये गये शोध में माता की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर माध्यमिक विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है। इसका कारण हो सकता है कि कम पढ़ी–लिखी स्त्रियाँ भी सामाजिक विज्ञान के महत्व को समझती है और अपने बच्चों को अभिप्रेरित करती है जितना की पढ़ी–लिखी महिलाएं करती है।

सारणी– 3

पिता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का टी मूल्य

पिता के पेशा	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी मूल्य	अभियुक्ति
नौकरी	37	198.97	40.27	0.05	सार्थक
व्यवसाय और अन्य	163	199.14	20.20		
(0.05 सार्थक स्तर के आधार पर टी मूल्य का मान 1.45 है।)					

तालिका संख्या – 3

पिता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का ग्राफीय प्रदर्शन

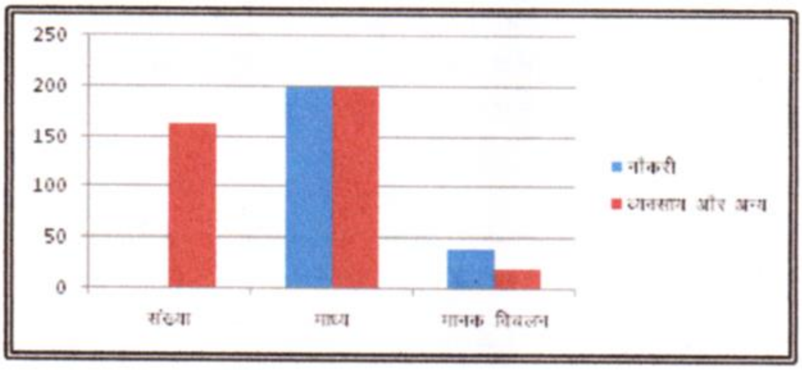

International Journal of Advance and Applied Research
Peer Reviewed | International Open Access Journal
ISSN: 2347-7075 | Impact Factor – 8.141 | Website: https://ijaar.co.in/
Volume-13, Issue-6 | July – August 2026

विश्लेषण :

उपर्युक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि शोधकर्त्ता द्वारा प्राप्त टी मूल्य का मान 0.05 है जो टी तालिका मान 1.97 से कम है। अतः नल परिकल्पना स्वीकृत की जाती है अर्थात् पिता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यालय के विद्यार्थियों का समाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :

शोधकर्त्ता द्वारा किये गये शोध में पिता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है। इसका कारण हो सकता है कि पिता नौकरी में हो या व्यवसाय में वे शिक्षा के महत्व को समझते है जिसके कारण अपने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते है।

सारणी– 4

माता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का टी मूल्य

माता के पेशा	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी मूल्य	अभियुक्ति
गृहणी	181	199.23	19.59	0.18	सार्थक नही
कामकाजी	19	197.89	15.51		
(0.05 सार्थक स्तर के आधार पर टी मूल्य का मान 1.97 है।)					

तालिका संख्या – 4

माता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का ग्राफीय प्रदर्शन

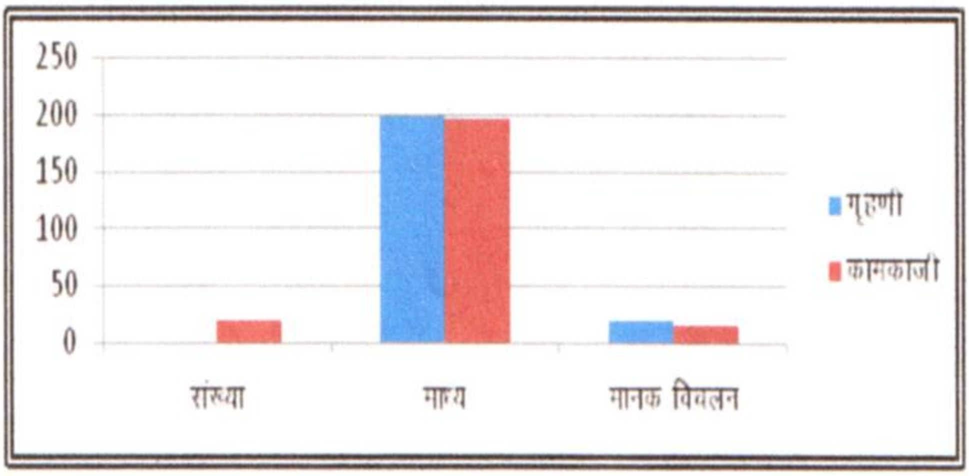

विश्लेषण :

उपर्युक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि शोधकर्त्ता द्वारा प्राप्त टी मूल्य का मान 0.28 है जो टी तालिका मान 1.97 से कम है। अतः नल परिकल्पना स्वीकृत की जाती है अर्थात् माता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यालय के विद्यार्थियों का समाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :

शोधकर्त्ता द्वारा किये गये शोध में माता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है। इसका कारण हो सकता है कि महिलाएं गृहणी हो या कामकाजी वे शिक्षा को भलीभांति समझती है। अपने बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने तथा सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करती है।

International Journal of Advance and Applied Research
Peer Reviewed | International Open Access Journal
ISSN: 2347-7075 | Impact Factor – 8.141 | Website: https://ijaar.co.in/
Volume-13, Issue-6 | July – August 2026

सारणी– 5

निवास स्थान के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का टी मूल्य

निवास स्थान	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी मूल्य	अभियुक्ति
शहरी	97	199.18	20.631	0.053	सार्थक नहीं
ग्रामीण	103	199.03	18.22		
(0.05 सार्थक स्तर के आधार पर टी मूल्य का मान 1.97 है।)					

तालिका संख्या – 5

पिता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति का ग्राफीय प्रदर्शन

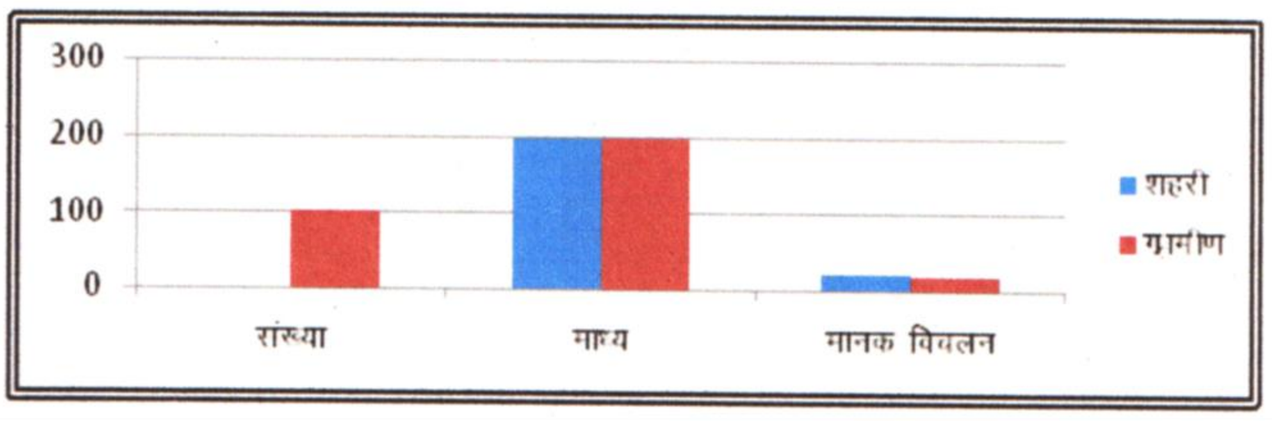

विश्लेषण :

उपर्युक्त तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि शोधकर्त्ता द्वारा प्राप्त टी मूल्य का मान 0.053 है जो टी तालिका मान 1.97 से कम है। अतः नल परिकल्पना स्वीकृत की जाती है अर्थात् निवास स्थान के आधार पर माध्यमिक विद्यालय विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति का समाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।

व्याख्या :

शोधकर्त्ता द्वारा किये गये शोध में निवास स्थान के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है। इसका कारण हो सकता है कि निवास स्थान शहरी हो या ग्रामीण उपर्युक्त संस्थान, अच्छे विद्यालय एवं योग्य शिक्षकों की उपस्थिति के कारण बच्चें सामाजिक विज्ञान के महत्व को समझते है।

निष्कर्ष :

शोधकत्ता ने अपने शोध प्रपत्र में निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किये :–

1. सारणी– 1 से स्पष्ट है कि लिंग के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।
2. सारणी – 2 से स्पष्ट है कि माता के शैक्षणिक योग्यता के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।
3. सारणी– 3 से स्पष्ट है कि पिता के शैक्षणिक योग्यता के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।

4. सारणी– 4 से स्पष्ट है कि माता के पेशा के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।
5. सारणी– 5 से स्पष्ट है कि निवास स्थान के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।

अनुशंसा / परामर्श :

शोधकर्त्ता ने प्राप्त निष्कर्ष के आधार निम्नलिखित सुझाव दिए हैः–

1. सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति विद्यार्थियों की मनोवृत्ति को बढ़ाने के लिए उचित निर्देशन एवं अभिप्रेरण प्रदान करना चाहिए।
2. शिक्षकों एवं माता–पिता द्वारा समय–समय पर सामाजिक विज्ञान के महत्व से विद्यार्थियों का अवगत कराते रहना चाहिए।
3. सामाजिक विज्ञान विषय को रूचिकर और आर्कषक बनाने के लिए शिक्षक को शिक्षण करते समय तरह–तरह के आर्कषक शिक्षण सहायक–सामग्री को प्रयोग किया जाना चाहिए।

भविष्य में खोज के लिए सुझाव :

1. छात्रों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर पर विभिन्न शिक्षण विधियों के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर पर अभिप्रेरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. छात्रों का सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर पर प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान के प्रति मनोवृत्ति स्तर पर विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के प्रभाव का अध्ययन करना।

संदर्भ :

1. शर्मा, आर.ए. (2013) शिक्षा मनोविज्ञान के मूल तत्व आर.लाल. बुक डिपो मेरठ।
2. शर्मा योगेन्द्र कुमार, शर्मा मधुलिका (2014), शिक्षा के समाजशास्त्री आधार, कनिष्क पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
3. गुप्ता, डॉ0 एम0पी0 गुप्ता, डॉ0 अलका (2014), उच्चत्तर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
4. सिंह, अरूण कुमार (2014), शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, पटना।